

आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना हथकरघा (टोपी व जैकेट)

समृद्धि स्वयं सहायता समूह, डुधीलग



ग्राम वन विकास समिति	डुधीलग
ग्राम पंचायत.....	डुधीलग
वन परिक्षेत्र कार्यालय.....	भुट्टी
वनमण्डल.....	कुल्लू
वनवृत्त.....	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एवं
आजीविका सुधार परियोजना

विषय -सूची

क्र०सं०	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह का विवरण व सूची	5-6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	7
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रियाएं	8
6	उत्पादन नियोजन	8-9
7	विक्रय तथा विपणन	10
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	11
9	शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)	11
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13-14
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	14
13	अनुमान	14
14	उद्यम हेतु लाभ- लागत विश्लेषण	15
15	धन की आवश्यकता	16
16	वित्तीय संसाधन	17
17	धन की आवश्यकता का नियोजन	18
18	लाभ -हानि स्थिति/बिन्दु की तुलना	18
19	ऋण अदायगी नियोजन	19
20	टिप्पणी	20
21	प्रशिक्षण	20
22	अनुलग्नक (छाया चित्र, नियम, सदस्यों की सूची फोटो सहित व सहमति पत्र)	21-23

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्ध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत विस्तृत है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुन्दरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है जोकि शिवालिक पहाड़ियों में उपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में कुल्लू जिला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रसिद्ध है। कुल्लू जिला हिमाचल प्रदेश की मध्य पहाड़ियों में स्थित है।

गांव डुधीलग ग्राम पंचायत डुधीलग विकास खण्ड कुल्लू, तहसील व जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। कुल्लू जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के अनुसार तरह-तरह के नाम दिए गये हैं, जिनमें एक नाम लगवैली है। गांव डुधीलग कुल्लू मुख्यालय से लगभग 12 कि० मी० की दूरी पर लगवैली में स्थित है। गांव डुधीलग में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाई की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आय में अपेक्षित बढ़ौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं।

गांव में लोग हथकरघा का कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में पूरे वर्ष भर इन उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय-समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने गांव में ग्राम वन समिति डुधीलग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से डुधीलग में 03 स्वयं सहायता समूहों का गठन “जय बाबा वीरनाथ” स्वयं सहायता समूह, “प्ररेणा” स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद “समृद्धि” स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा के कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 16 सदस्य शामिल हुए।

“समृद्धि” स्वयं सहायता समूह के साथ हथकरघा (टोपी व जैक्ट) के प्रशिक्षक श्रीमति सुनीता देवी व समूह की प्रधान श्रीमति छलेश कुमारी की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने टोपी व जैक्ट आदि बनाने का निर्णय लिया। सदस्य ने श्रीमति सुनीता देवी व समूह की प्रधान श्रीमति छलेश कुमारी से समय-समय पर समूह को जागरूक व कुशल तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया ताकि समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद सुन्दर, आकर्षित व अच्छी गुणवत्ता के बने। जिससे समूह की आजीविका में बढौतरी हो।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने “समृद्धि” स्वयं सहायता समूह को टोपी व जैक्ट बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 100000/- रुपये परिक्रीमी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

“समृद्धि” स्वयं सहायता समूह की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना बनाने के लिए श्री शशि शर्मा (FTU Coordinator), भुट्टी वन परिक्षेत्र ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठके करके व वन मण्डल अधिकारी श्री ऐंजल चौहान (IFS) के मार्गदर्शन तथा श्री उमेश शर्मा वन खण्ड अधिकारी, भुट्टी के सहयोग से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

2. स्वयं सहायता समूह का विवरण

2.1	स्वयं सहायता समूह का नाम	“समृद्धि”
2.2	स्वयं सहायता समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 21 पर सलंगन है
2.3	ग्राम वन विकास समिति	डुधीलग
2.4	वन परिक्षेत्र/क्षेत्रीय तकनीकी ईकाई	भुट्टी
2.5	वनमण्डल/मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई	कुल्लू
2.6	गांव	डुधीलग
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	स्वयं सहायता समूह में कुल सदस्यों की संख्या	16
2.10	समूह के गठन की तिथि	मई, 2024
2.11	बैंक खाता संख्या	88311300002540
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	हि0 ग्रामीण बैंक सरवरी, कुल्लू
2.13	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
2.14	कुल बचत	6400
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	12 महीने

“समृद्धि” स्वयं सहायता समूह की सूची

क्र०	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमति छलेश कुमारी पत्नी श्री ठाकर चन्द	प्रधान	32	स्त्री	आठवीं	सामान्य	98054-73992
2	श्रीमति पार्वती देवी पत्नी श्री प्रताप सिंह	सचिव	39	स्त्री	आठवीं	सामान्य	78764-71559
3	श्रीमति निशा ठाकुर पत्नी श्री कुलवीर	कोषध्यक्ष	36	स्त्री	बाहरवीं	सामान्य	94599-98429
4	श्रीमति कमला देवी पत्नी श्री ओम प्रकाश	सदस्य	39	स्त्री	आठवीं	सामान्य	9418621525
5	श्रीमति रूकमणी पत्नी श्री परमानन्द	सदस्य	38	स्त्री	आठवीं	सामान्य	9317541812
6	श्रीमति रोशनी देवी पत्नी श्री रमेश चन्द	सदस्य	44	स्त्री	पांचवीं	सामान्य	8580872197
7	श्रीमति जमना देवी पत्नी श्री लक्ष्मण	सदस्य	30	स्त्री	आठवीं	सामान्य	7018342252
8	श्रीमति रूकमणी पत्नी श्री गिरधारी लाल	सदस्य	38	स्त्री	आठवीं	सामान्य	7876805171
9	श्रीमति रिकेश्वरी पत्नी श्री भीमसैन	सदस्य	42	स्त्री	बाहरवीं	सामान्य	6230350960
10	श्रीमति बीना देवी पत्नी श्री चौबे राम	सदस्य	49	स्त्री	बाहरवीं	सामान्य	8580430597
11	श्रीमति आशा देवी पत्नी श्री सुनील दत्त	सदस्य	32	स्त्री	बाहरवीं	सामान्य	9015090980
12	श्रीमति शशि ठाकुर पत्नी श्री रवि ठाकुर	सदस्य	30	स्त्री	बाहरवीं	सामान्य	9805146955
13	श्रीमति बीना देवी पत्नी श्री सोहन लाल	सदस्य	29	स्त्री	दसवीं	सामान्य	8580410756
14	श्रीमति मीरा देवी पत्नी श्री भाग चन्द	सदस्य	48	स्त्री	बाहरवीं	सामान्य	8219122929
15	श्रीमति कली देवी पत्नी श्री फतेह चन्द	सदस्य	43	स्त्री	दसवीं	सामान्य	9015298487
16	श्रीमति मनोरमा देवी सपुत्री श्री रेशम राम	सदस्य	50	स्त्री	आठवीं	सामान्य	7876633099

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 12 कि०मी०
3.2	मुख्य/लिनक सड़क से दूरी	सड़क से 12 कि०मी०
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 12 कि०मी०.
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 12 कि०मी०
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 12 कि०मी०, भुन्तर 22 कि०मी०, मनाली 52 कि०मी०, शमशी 21 कि०मी०
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/विपणन किया जाएगा।	कुल्लू, भुन्तर, मनाली, शमशी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी कुल्लू लीवास पट्टू बनाते हैं।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और हथकरघा की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	टोपी, जैकट
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य हथकरघा का कार्य पहले से ही करते हैं।
4.3	स्वयं सहायता समूह सदस्यों की सामुहिक सहमति	हां (सहमति पत्र पृष्ठ नं० 23 पर सलंग्न है)

4. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा टोपी व जैक्ट आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगी:-

1. समूह में 12 सदस्य टोपी बनाने का कार्य करेंगे।
2. समूह में 04 सदस्य जैक्ट बनाने का कार्य करेंगे।
3. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेंगे।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार से है:-

1. टोपी

विभिन्न डिजाईनों की टोपी 12 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगा। 01 सदस्यों द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टे कार्य करने पर 01 दिन में 04 टोपियां तैयार करेंगे।

2. लेडिज जैक्ट

विभिन्न डिजाईनों की लेडिज जैक्ट 04 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगा। 01 सदस्यों द्वारा प्रति दिन में 4 से 5 घण्टे कार्य करने पर 03 दिन में 01 लेडिज जैक्ट तैयार किया जाएगा।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन (प्रतिदिन 4-5 घण्टे कार्य करेंगे)	<ul style="list-style-type: none">➤ 1920 टोपी➤ 40 लेडिज जैक्ट
6.2	प्रति चक्र कार्यकर्ताओं की आवश्यकता (संख्या)	<ul style="list-style-type: none">➤ 12 सदस्य टोपी के लिए➤ 04 सदस्य लेडिज जैक्ट के लिए➤ कुल 16 सदस्य
6.3	कच्चे माल का स्रोत	कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्रोत	कुल्लू , शमशी, भुन्तर

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन


क्र०	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी (मच्छी कांटा)	सै० मी०	0.20	170	8	
2	बुक्रम	सै० मी०	0.40	40	16	
3	वुली	सै० मी०	0.20	30	6	
4	पेस्टिंग (हार्ड)	सै० मी०	0.10	90	9	
5	मगजी कपड़ा	सै० मी०	0.15	30	2	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी (हाथ बुनाई)	इंच	16	140	140	
7	सिलाई धागा				45	
	जोड़				226	
	सर्विस चार्ज			5%	11	
	कुल उत्पादन लागत				237	
	शुद्ध लाभ			20%	47	
	कुल कीमत				284	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) टोपी 1920 समूह द्वारा बनाये जाएंगे।
- साल में टोपी 23040 समूह द्वारा बनाये जाएंगे।

क्र०	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी (सुपर)	मीटर	0.80	200	160	
2	वुली	मीटर	1.50	30	45	
3	पेस्टिंग (मुलायम)	मीटर	0.5	80	40	
4	मशीनी बॉर्डर	मीटर	1.5	25	37	
5	सिलाई धागा, बटन	नग	-	6	30	
6	काज़ की मज़दूरी			20	20	
7	सिलाई मज़दूरी			100	100	
	जोड़				432	
	सर्विस चार्ज			10%	43	
	कुल उत्पादन लागत				475	
	शुद्ध लाभ			40%	238	
	कुल कीमत				712	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) लेडिज जैक्ट 40 समूह द्वारा बनाये जाएंगे।
- साल में लेडिज जैक्ट 480 समूह द्वारा बनाये जाएंगे।

4. विपणन/बिक्री का विवरण

7.1	संभावित विपणन स्थल	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	12 से 52 कि०मी०
7.3	मण्डी स्थल/स्थलों में उत्पाद की मांग	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के आधार <ul style="list-style-type: none"> • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	<ul style="list-style-type: none"> • दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	<ul style="list-style-type: none"> • थोक व्यापारी • परचून व्यापारी • एजेंट 20-25 प्रतिशत सब्सिडी • लोकल नेटवर्क में प्रचार • सोशल मीडिया में प्रचार
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	समृद्धि ग्रुप रे शोभले उत्पाद 
7.11	उत्पाद का नारा-	शोभला गांव, शोभला कोम, रति भर नहीं काण । यह सा दुधीलगा, जैक्ट,टोपी री पहचाण ॥

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएंगे।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल बिक्री राशि पर 05 प्रतिशत कमीशन दी जाएगी।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे।

9. शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लगन है।

दुर्बलता

- महिलायें कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चुनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।
- अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यस्तता।

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र०सं०	ज़ोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	::	ज़ोखिम कम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
10.4	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यों में ज्यादा व्यस्थता।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यों के साथ-साथ हथकरघा में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	::	आय मे बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।		गुणवत्ता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगे।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11अ-पूंजीगत व्यय

क्र०सं०	विवरण	मूल्य (रु० में)
1	12 सिलाई मशीन अम्ब्रेला मोटर सहित (7500 रुपये प्रति मशीन)	90000
2	04 सिलाई मशीन जुकी मोटर सहित (34000 रुपये प्रति मशीन)	136000
3	16 कैंची (650 रुपये प्रति कैंची)	10400
4	16 प्रैस (1600 रुपये प्रति प्रैस) 03 कि०ग्रा०	25600
5	16 कटिंग सैट (450 रुपये प्रति सैट)	7200
6	16 मशीन बैल्ट (100.75 रुपये प्रति सैट)	1612
7	16 कट्टर (88.66 रुपये प्रति सैट)	968
8	16 प्रैस तार (250 रुपये प्रति प्रैस)	4000
	कुल पूंजी व्यय (जी.एस.टी. सहित)	275780



11ब-आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्रं0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी	सै0मी0	150	170	25500	1320 टोपी
2	बुक्रम	सै0मी0	250	40	10000	
3	वुली	सै0मी0	150	30	4500	
4	पेस्टिंग	सै0मी0	100	90	9000	
5	मगजी कपड़ा	सै0मी0	50	30	1500	
6	कुल्लू बॉर्डर पट्टी	16 इंच/पीस	1320	140	184800	
7	सिलाई धागा	नं0	5	1320	6600	
	जोड़				215500	
	सर्विस चार्ज		5%		10775	
	कुल उत्पादन लागत				226275	
	शुद्ध लाभ		15%		33941	
	कुल कीमत				260216	

क्रं0	वस्तु का नाम	ईकाई	मात्रा	दर	राशि	उपेक्षित उत्पादन की मात्रा
1	टवीड़ पट्टी	मीटर	288	200	57600	40 लेडिज जैक्ट
2	वुली	मीटर	540	30	16200	
3	पेस्टिंग	मीटर	180	80	14400	
4	मशीनी बॉर्डर	मीटर	540	25	13500	
5	सिलाई धागा, बटन	नग	40	6	240	
6	काज़ की मज़दूरी		40	20	800	
7	सिलाई मज़दूरी		40	100	4000	
	जोड़				106740	
	सर्विस चार्ज			10%	10664	
	कुल उत्पादन लागत				117415	
	शुद्ध लाभ			40%	46966	
	कुल कीमत				164381	

11 अर्थ-व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	322240
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	2757
3	ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	2700
	योग	327697

12 अनुमान

विक्रय मूल्य की गणना

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक टोपी के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	237
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	71
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	308
	बाजार भाव	संख्या	1	375
एक लेडिज़ जैकेट के लिए				
3	उत्पादन की लागत	संख्या	1	475
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	40	190
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	665
	बाजार भाव	संख्या	1	850

13. उद्यम हेतु लागत-लाभ विश्लेषण (एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्र०	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10 % वार्षिक हास (अ)	-	-	-	4873
2	आवर्ती व्यय (ब)				
2.1	टोपी				215500
2.2	लेडिज जैक्ट				106740
	योग (ब)				322240
3	कुल उत्पादन (टोपी)	संख्या	1320		
	कुल उत्पादन (लेडिज जैक्ट)	संख्या	40		
4	उत्पाद की बिक्री (टोपी)	संख्या	1320		
	उत्पाद की बिक्री (लेडिज जैक्ट)	संख्या	40		
5	उत्पाद की बिक्री से आय (टोपी)	संख्या	1320	308	406560
	उत्पाद की बिक्री से आय (लेडिज जैक्ट)	संख्या	40	665	26600
	योग (स)				433160
6	कुल लाभ = स-(अ+ब) $433160 - (4873 + 322240) = 106047$				106047
7	उत्पाद की बिक्री से सकल लाभ				106047

14. स्वयं सहायता समूह को धन की आवश्यकता

क्र०	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 75%	समूह द्वारा अंशदान 25%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	275780	206835	68945	0
2	आवर्ती व्यय	322240	0	0	322240
	योग	809540	206835	68945	322240
नोट:- ऋण की आवश्यकता					

नोट -चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेंगे अतः इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नहीं होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय में मजदूरी को नहीं जोड़ा गया है।

15. समूह के वित्तीय संसाधन

क्र०	विवरण	धनराशि
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	365475
2	समूह की आंतरिक बचत	15000
	योग	380475

- परियोजना द्वारा 100000/- रुपये राशि बीज कोष के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेंगे।

16. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्र०	आवश्यक संसाधन	आवश्यक धनराशि	अभ्युक्ति
1	04 जुकी सिलाई मशीन मोटर सहित	22500	समूह द्वारा सहायता राशि से सिलाई मशीन, मशीन स्टैण्ड, कैंची, प्रैस व स्केल सैट के लिए 25% एडवांस देंगे।
2	12 अम्ब्रेला सिलाई मशीन मोटर सहित	34000	
3	16 कैंची	2600	
4	16 प्रैस	6400	
5	16 स्केल सैट	1800	
6	16 मशीन बैल्ट	403	
7	16 कट्टर	242	
8	16 प्रैस तार	1000	
	कुल	68945	
	कच्चा माल	322240	
	कुल योग	391185	

17. लाभ-हानि बिन्दू/स्थिति की गणना (ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

टोपी की सम विछेदन बिन्दू की गणना

$$= 275780/308 \quad 895 \text{ दिन}$$

लेडिज़ जैक्ट की सम विछेदन बिन्दू की गणना

$$= 275780/665 \quad 414 \text{ दिन}$$

कुल लाभ (टोपी, लेडिज़ जैक्ट) = 895+414 = 1309

अतः सम विछेदन बिन्दू

- = 275780/1309 210 दिन

- इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुपात के अनुसार 210 दिनों में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

18. ऋण चुकौती की अनुसूची

क्र०	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना-1					323000	2691.667	325691.7
2	महीना-2	28308.333	2691.667	31000	31000	294691.7	2455.764	297147.4
3	महीना-3	28544.236	2455.764	31000	31000	266147.4	2217.895	268365.3
4	महीना-4	28782.105	2217.895	31000	31000	237365.3	1978.044	239343.4
5	महीना-5	29021.956	1978.044	31000	31000	208343.4	1736.195	210079.6
6	महीना-6	29263.805	1736.195	31000	31000	179079.6	1492.33	180571.9
7	महीना-7	29507.67	1492.33	31000	31000	149571.9	1246.432	150818.3
8	महीना-8	29753.568	1246.432	31000	31000	119818.3	998.4861	120816.8
9	महीना-9	30001.514	998.4861	31000	31000	89816.81	748.4734	90565.29
10	महीना-10	30251.527	748.4734	31000	31000	59565.29	496.3774	60061.66
11	महीना-11	30503.623	496.3774	31000	31000	29061.66	242.1805	29303.84
12	महीना-12	29061.819	242.1805	29304	29304	-0.15547	0.001296	-0.15676
		323000.16		339304	339304			

• 10% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमित ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

19. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 1920 टोपी व 40 लेडिज जैक्ट तैयार करके विक्रय किए जाएंगे।
इससे प्रत्येक चक्र में औसतन 106047/- रुपये की आय सम्भावित है।

20. प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रतिदिन 08 घण्टें किया जाएगा यानि 14 दिन। मास्टर ट्रेनर को 750/- रुपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रशिक्षित करने का दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि के समय समूह को एक बार कच्चा माल 1000/- रुपये प्रति प्रशिक्षणार्थी के हिसाब से दिया जाएगा।

क्रं0	विवरण	प्रशिक्षण	सदस्य	दर	राशि	टिप्पणी
1	मास्टर ट्रेनर टोपी, जैक्ट	14 दिन	16	750	10500	
2	बोर्डिंग लॉजिंग	14 दिन		100	1400	100 रुपये /दिन
3	कच्चा माल/प्रशिक्षण सामग्री	14 दिन	16	1000	16000	1000 रुपये /सदस्य एक बार
4	प्रशिक्षण केन्द्र का किराया	14 दिन	-	1400	1400	100 रुपये/दिन
5	परिवहन किराया	मशीन	-	-	1000	1000 रुपये एक बार
	कुल				30300	



21 अनुलग्नक



समृद्धि स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूची

1. समूह का काम : हथकरघा
2. समूह का नाम : समृद्धि स्वयं सहायता समूह
3. समूह का पता : गांव व डा0 डुधीलग तह0 व ज़िला कुल्लू हि0 प्र0
4. समूह के कुल सदस्य : 16
5. समूह की पहली बैठक की तिथि ; मई, 2024
6. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
7. समूह की मासिक बैठक हर माह की 04 तारीख को होगी
8. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेंगे
9. स्वयं सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
10. स्वयं सहायता समूह का खाता हि0 ग्रामीण बैंक सरवरी कुल्लू में खोला गया। खाता संख्या नंबर 88311300002540 है।
11. समूह की बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
12. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते हैं तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा
13. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होंगे तो खर्च मिल कर देना होगा
14. स्वयं सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाएंगे
15. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते हैं यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
16. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरुद्ध कोई काम नहीं करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेंगे
17. अगर सदस्य किसी कारण समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नहीं
18. ऋण का उद्देश्य रकम की चुकौती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
19. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
20. स्वयं सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
21. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
22. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
23. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
24. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी।

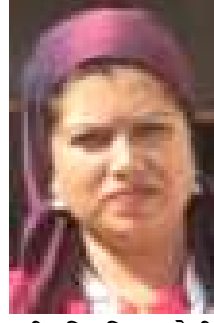
समृद्धि स्वयं सहायता समूह के सदस्य के छायाचित्र



श्रीमति छलेश कुमारी
प्रधान



श्रीमति पार्वती देवी
सचिव



श्रीमति निशा देवी
कोषाध्यक्ष



श्रीमति कमला देवी
सदस्य



श्रीमति मीरा देवी
सदस्य



श्रीमति शशि ठाकुर
सदस्य



श्रीमति रिक्ेश्वरी
सदस्य



श्रीमति आशा
सदस्य



श्रीमति रूकमणी
सदस्य



श्रीमति रूकमणी
सदस्य



श्रीमति बीना
सदस्य



श्रीमति रोशनी देवी
सदस्य



श्रीमति कली देवी
सदस्य



श्रीमति मनोरमा देवी
सदस्य



श्रीमति जमना देवी
सदस्य



श्रीमति बीना देवी
सदस्य

सहमति पत्र

आज दिनांक 22.08.2024 को समृद्धि स्वयं सहायता समूह डुधीलग की बैठक प्रधान श्रीमति छलेश कुमारी की अध्यक्षता में हुई जिसमें में समूह के सभी सदस्यों ने भाग लिया। समृद्धि स्वयं सहायता समूह डुधीलग के सदस्यों द्वारा व क्षेत्रीय तकनीकी ईकाई भुट्टी/वन परिक्षेत्र कार्यालय के सहयोग से तैयार हथकरघा व्यवसाय योजना के दस्तावेज के प्रारूप को अन्तिम रूप दिया। वन विभाग के माध्यम से हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना (जाईका द्वारा वित्त पोषित) के सहयोग से चलाई जा रही परियोजना के साथ समृद्धि स्वयं सहायता समूह डुधीलग के सदस्यों ने अपनी आजीविका वर्धन करने के लिए सर्वसहमति से हथकरघा (Handloom) का निरन्तर कार्य करने की सहमति प्रदान की।

Chander Kumar
प्रधान
समृद्धि स्वयं सहायता समूह
डुधीलग जिला कुल्लू (हि०प्र०)

Sanjay Dahi
सचिव

Brobeli
प्रधान
सम वन विभाग सीमित
डुधीलग, साम पंचायत डुधीलग
तहसील व जिला कुल्लू (हि०प्र०)

J. S. M.
सहायक
सम वन विभाग सीमित
डुधीलग, साम पंचायत डुधीलग
तहसील व जिला कुल्लू (हि०प्र०)

अनुमोदन

S. S. M.
Range Forest Officer
Bhadli Forest Range

आज दिनांक ०६.०९.२५ को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डल अधिकारी कुल्लू द्वारा समृद्धि स्वयं सहायता समूह डुधीलग की हथकरघा (Handloom) की आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया।

M.
Divisional Forest Officer
Forest Division Kullu